1

TEST-01

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY)

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Pradumankumar **Mobile Number:** ______

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:** ______

Center & Date: @Mukharjinagar 24/06/2023 **UPSC Roll No.:** 0811492

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रश्न-3. सूचना लोकतंत्र की मुद्रा है।
Information is the currency of democracy.

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने वर्तमान में मानव जीवन के प्रत्येक पक्ष को प्रभावित किया है तथा यह हमारे दिनचर्या का हिस्सा बन गयी है। दिन-भर में हम लगभग हर समय इसी से जुड़े होते हैं हमारी नीजी जानकारी, हमारे विचार, सोच तथा पसंद जैसी चीजों की सूचना इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से किसी तीसरे पक्ष पर संचारित रहती है जिससे इसके दुरुपयोग का खतरा बना रहता है वर्तमान में इसे लोकतंत्र के लिये की खतरा माना जाता है।

2016 में अमेरिका में हुए चुनाव में रूस द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग का दुरुप

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का समर्थन करने के आक्षेप लगे थे। तथा 2016 में राहुल गाँधी ट्वीटर अकाउंट हैक कर लिया गया था तथा अनेकों साइबर हमले भी अनेक देशों द्वारा एक-दूसरे पर कराये जाते है जैसे 2009 में अमेरिका तथा इजराइल ने मिलकर ईरान के परमाणु प्रोजेक्ट पर हमला किया था। भारत पर होने वाले साइबर हमले

देश	साइबर हमला भारत पर
चीन	35%
अमेरिका	17%
रूस	15%

लोकतांत्रिक देशों में चुनाव के माध्यम से प्रतिनिधि चुने जाते है जिसमें सोशल मीडिया का निरंतर प्रयोग बढ़ रहा है तथा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हर राजनीतिक दल का स्वयं का IT सेल दल पर कार्यरत रहते है तथा विदेशी शक्तियाँ भी अपने स्तर पर इसमें हस्तक्षेप करती है जिस कारण लोकतंत्र में सूचनाओं का महत्व बढ़ा है। देखते है कि कैसे सूचना लोकतंत्र में इतनी महत्वपूर्ण है।

विचारधारा का आरोपण - आज भारत की दिनचर्या में संचार उपकरण का प्रयोग रहता है तथा राजनीतिक दल अपनी विचारधारा का प्रसार करने के लिए हर जगह इसका प्रचार करती है। सोशल मीडिया पर अपनी विचारधारा के संदेश को घुमाया जाता है। बार-बार सामने आने वाली चीजों से व्यक्ति की अभिरुचि नकारात्मक हो तो भी सकारात्मक होने लगती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

डेटा का गलत प्रयोग :- वर्तमान में सरकार तथा बड़ी सूचना तकनीकी कम्पनी के पास जनता का निजी डेटा होता है जैसे - उनकी पसंद, विचारधारा, राय, सोच, आदि तथा सरकारी एजेंसियों के साथ फिंगर प्रिंट, DOB, DNA, आदि रहता है। जिसके दुरुपयोग को लेकर आलोचक सरकार तथा कम्पनियों पर आक्षेप लगाते रहते है।

ex- भारत सरकार ने चुनाव आयोग के साथ आधार डेटा साझा करने का बिल पेश किया जिसके चलते मानवाधिकार तत्व सक्रिय हो गये तथा विपक्ष ने भी इसे निजता का हनन बताया।

चुनावों दौरान विदेशी हस्तक्षेप - चुनावों में संचार प्रौद्यो०

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

स्तर पर हस्तक्षेप देखने को मिलता है जैसे - USA चुनाव में रूसी हस्तक्षेप तथा चीन द्वारा अपने हितों को साधने के लिये नेपाल में साम्यवादी दल का समर्थन करना तथा उसे आर्थिक सहायता पहुँचाना। इसी प्रकार भारत में चुनाव के दौरान पाकिस्तानी संचार प्रौद्योगिकी द्वारा भारत में साम्प्रदायिकता का प्रचार करने जैसी घटना होती रहती है।

राजनीतिक छवि सुधारना - व्यक्तियों के डेटा का उपयोग कर उनकी राय, पसंद जानकर का उसी के अनुरूप प्रतिनिधि की छवि बनाई जाती है। वर्तमान में लोकतंत्र में सबसे अधिक प्रचलित स्वरूप यही है। प्रतिनिधि के उसी पक्षों को उजागर किया जाता है। जो जनता को पसंद होती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोकतंत्र में डाटा की महत्ता -

नीजी जानकारी तक पहुंच - व्यक्ति के नीजि जीवन में हस्तक्षेप कर उसकी निजता का हनन किया जाता है तथा उसकी राय, सोच, विश्वास तथा पसंद को बदलने का प्रयास किया जाता है।
सुप्रीम कोर्ट ने भी इस प्रकार की हरकत की निंदा की है तथा इसे निजता के अधिकार का हनन माना है।

आर्थिक महत्व : किसी व्यक्ति की आर्थिक स्थिति का पता भी उसके इलैक्ट्रोनिक उपकरण के डाटा से लगाया जा सकता है। विकसित देशों की बड़ी MNC, कम्पनियाँ भी ग्राहक के डेटा तक पहुंच जाती है तथा किसी तीसरे पक्ष या राजनीतिक संगठन कर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ग्राहक की निजता से समझौता कर लेती है।

विपक्षी दल छवि खराब - वर्तमान में विपक्षी दल की छवि खराब करने के लिए किसी नेता की नीजि जिंदगी में हस्तक्षेप कर उसके नीजि जीवन के रहस्यों को सार्वजनिक कर छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जाता है यह सब कुछ सिर्फ व्यक्ति के नीजी डेटा तक पहुंच सुनिश्चित कर किया जाता है।

चुनाव को दिशा देना - चुनाव के दौरान सभी राजनीतिक दल अपने पास उपलब्ध डेटा के बल पर जनता को भ्रमित कर उनकी सोच को बदलने का प्रयास करती है तथा अध्ययन माध्यम से उनकी अभिरुचि में बदलाव कर देती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सूचना के दुरुपयोग की चिंता का कारण →

- जनता में शिक्षा तथा जागरूकता अभाव
- जनता का भावुक होना
- जनता में परिपक्वता की कमी
- दिनचर्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का बढ़ता प्रयोग

सूचना के दुरुपयोग को कम करके स्वस्थ लोकतंत्र का निर्माण करने से ही सामाजिक न्याय, सामाजिक, आर्थिक विकास सम्भव है, अतः सूचना तक पहुँच को रोक कर जनता के नीजता का संरक्षण करना चाहिए तथा ~~स्वस्थ~~ स्वस्थ लोकतंत्र के निर्माण की कोशिश करनी चाहिए। राजनैतिक हितों की उपेक्षा करते हुए राष्ट्रीय हित

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को सर्वोपरि मानना चाहिए।

कानून निर्माण - जनता के हितों की सुरक्षा के लिए कानून निर्माण करना चाहिए तथा कानून का पालन न करने वालों पर दण्डात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। कानून निर्माण के समय जनता की भागीदारी को भी सुनिश्चित करना चाहिए।

संस्थागत प्रणाली - एक मजबूत संस्थागत तंत्र की आवश्यकता है जिससे ऐसे मामलों पर 24/7 निगरानी रखी जा सके। इसके लिए कौशल युक्त युवाओं की आवश्यकता होगी तथा संस्थागत स्तर पर इसे पर्याप्त शक्ति दी जानी चाहिए ताकि यह त्वरित निष्पक्ष, तीव्र तथा पारदर्शी निर्णय ले सके एवं संचार दुरुपयोग को कम से कम कर सके।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बौद्धिक सहयोग - वर्तमान में सभी देश डेटा सम्बन्धित जानकारी के उपयोग को लेकर चिंतित है जिनमें विकासशील देश ज्यादा सुभेद्य है अतः विकासशील देशों को साथ आकर एक संस्था का निर्माण करना चाहिए जो इस विषय पर निगरानी रखे तथा वहाँ लोकतंत्र स्वस्थ बना रहे।

MNCs से समझौते - बड़ी कॉरपोरेट कम्पनियों के पास ही व्यक्तियों का नीजी डेटा होता है तथा यह प्रायः विकसित देश से सम्बन्धित होते है अतः ऐसे देशों से डेटा गोपनीयता से सम्बन्धित समझौते करने चाहिए। तथा MNC को सख्त निर्देश हो कि ग्राहक की निजता का ध्यान रखा जाये।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लोकतंत्र ~~की~~ में चुनाव सबसे महत्वपूर्ण होता है। वर्तमान के वैश्वीकृत युग में संचार उपकरणों के प्रयोग ने चुनाव के तरीके में भी बदलाव किये है। जैसे - बैलेट पेपर पर चुनाव कराने की जगह अब इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में चुनाव कराया जाता है जिससे चुनाव का महत्वपूर्ण डेटा इन EVM मशीनों में संचित रहता है जिससे इसके हैक होने का खतरा बना रहता है हालांकि ऐसी कोई प्रामाणिक घटना अभी नहीं हुई है। फिर भी चुनाव से महत्वपूर्ण डेटा की सुरक्षा को और अधिक बढाना चाहिए क्योंकि यही डेटा लोकतंत्र का आधार है ऐसे में डेटा से छेड़छाड़ सीधे लोकतंत्र साथ छेड़छाड़ समझी जाती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

डेटा को बसी उपयोगिता के कारण डेटा (सूचना) को लोकतांत्रिक देशों में महत्वपूर्ण माना जाता है अलोकतांत्रिक देश इस डेटा से छेड़छाड़ करने की प्रयास में रहते है क्योंकि यह सिर्फ डेटा ही नहीं है वरन लोकतंत्र की पूंजी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रश्न- किसी राष्ट्र के भूगोल को जानना उसकी विदेश नीति को जानना है।

द्वितीय विश्वयुद्ध तानाशाह हिटलर के कारण हुआ जिसमें हजारों सैनिक मारे, लाखों लोग प्रभावित हुए तथा अन्त में सभी देश खस्ता आर्थिक स्थिति में आ गये। इस विश्वयुद्ध में हिटलर की पराजय हुई किन्तु उसकी इस पराजय को राजनैतिक स्तर पर नहीं समझा जा सकता है। इसके लिए उसकी भू राजनीतिक नीति के विश्लेषण की आवश्यकता होगी। हिटलर की पराजय का कारण था कि उसने अपने देश के भौगोलिक संरचना के अनुरूप विदेश नीति संचालित नहीं की जिस कारण पड़ोसी देशों से संबंध खराब के चलते उसकी हार हुई।

वर्तमान में प्रत्येक देश की विदेश नीति में उसके भूगोल को पर्याप्त महत्व दिया जा रहा है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

प्रत्येक देश अपनी भौगोलिक संरचना के अनुरूप विदेश नीति का संचालन करते है। अमेरिका के विश्व शक्ति बनने में महत्वपूर्ण भूमिका उसकी उत्कृष्ट भूगोल की है वह विश्वयुद्धों में होने वाली क्षति से बचा रहा तथा सीमा पर भी किसी प्रकार का विवाद न होना उसकी आन्तरिक सुरक्षा एवं शांति में परिलक्षित होता है।

इसी प्रकार औद्योगीकरण युग में ब्रिटेन अपनी भौगोलिक अवस्थिति के कारण ही यूरोप के अन्य देशो से ज्यादा साम्राज्यवाद विस्तार, उपनिवेशवाद को बढ़ा सका है। चारों ओर से समुद्र से घिरा होने के कारण उसे भौगोलिक समुद्रिक लाभ मिले वह सीमा विवाद से बचा रहा जिससे उसने अपना सारा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

ध्यान सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ाने में लगा दिया।

वर्तमान में भी सभी देशो की विदेश नीति उनकी भौगोलिक संरचना के अनुरूप संचालित होती है। जिसमें निम्न तत्वों की भूमिका होती है।

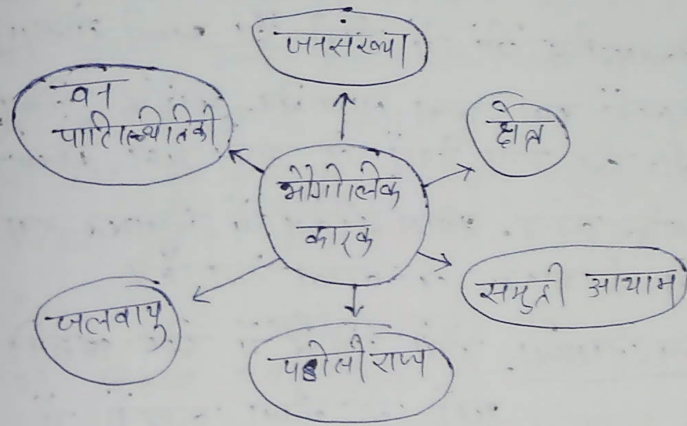

निम्न तत्वों को भू राजनीति में महत्व के अनुसार क्रमवार रख सकते है।

जनसंख्या - भारत में विश्व की दूसरी सबसे अधिक जनसंख्या रहती है। 2040 तक भारत चीन को पीछे छोड़ते हुए सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

देश बन जायेगा। जनसंख्या की अधिकता एवं जनसंख्या की कमी दोनों बातें विदेश नीति प्रभावित करती है।

आधिक्य जनसंख्या - जनसंख्या आधिक्य होने पर जैसे की भारत जैसे विकासशील देशों में होती है उनकी रोजगार जरूरतों तथा उनका सामाजिक-आर्थिक विकास लिए देश अन्य देशों से अपने यहाँ कारखाने स्थापित करना, प्रत्यक्ष निवेश में रियायत तथा करों के माध्यम से बढ़ावा देता है।

कम जनसंख्या - ऐसी स्थिति में देश ~~...~~ अपने यहाँ के वीजा कानूनों में सरलता लाता है जिससे अन्य देशों से लोग वहाँ आ सके उन्हे कार्यशील जनसंख्या की पूर्ति हो सके जैसे- जापान, इजराइल आदि।

क्षेत्र - विदेश नीति देश के क्षेत्रफल की भी प्रभावी भूमिका होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अधिक क्षेत्रफल होने के क्रम में ज्यादा विकासात्मक कार्य कराने हेतु विदेशों से सहयोग की ~~विक~~ आवश्यकता होती है जैसे रूस अपने पूर्वी ब्लादीवोस्तोक में विदेशी पूँजी निवेश से वहाँ अवसंरचनात्मक विकास की योजना कर रहा है वैसे ही भारत भी अपने उत्तर-पूर्वी राज्यों के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए "पूर्व की ओर देखो नीति" के अन्तर्गत आसियान देशों से निवेश करने को सिफारिश, प्रोत्साहन कर रहा है। कभी-कभी दुर्गम क्षेत्रों में भी विकास एवं सुरक्षा की दृष्टि से विदेशी सहयोग पर बल दिया जाता है जैसे पहाड़ी ~~...~~ राज्यों में भारत नवेश देश साथ मिलकर संयुक्त सैन्य अभ्यास संचालित करता है। ताकि पहाड़ी राज्यों को चीन की बढ़ती हस्तक्षेप से सुरक्षित किया जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समुद्री आयाम - आज के वैश्वीकृत विश्व में जहाँ पूरा विश्व एक गाँव की भाँति सामाजिक आर्थिक रूप से आपस में जुड़ गया है तथा वैश्विक व्यापार पर केन्द्रित व्यापार विदेश नीति का संचालन किया जा रहा है। ऐसे में समुद्री आयाम विदेश नीति में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है।

क्योंकि सभी देशों का वैश्विक व्यापार समुद्री रास्ते द्वारा ही होता है जिस कारण सभी देश समुद्र रास्तों पर अपनी भूमिका को बढ़ाने में लगे हैं जिसका महत्वपूर्ण उदाहरण हिंद-प्रशांत क्षेत्र है। विश्व का 80% व्यापार हिंद महासागर के रास्ते से होता है इसलिए यहाँ अपनी पहुँच सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न अवसर अपना रहे हैं।

जैसे चीन ने सेशेल्स में सैन्य अड्डा का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

निर्माण, पाकिस्तान के ग्वादर पतन का निर्माण तथा श्रीलंका का हम्बनटोटा बंदरगाह पर नियंत्रण करने के रूप में देखा जा सकता है तथा अमेरिका भारत के सहयोग से इस क्षेत्र में अपनी पहुँच बढ़ा रहा है।

वन पारिस्थितिकी - पूरे विश्व के समक्ष आज सबसे बड़ी चिंता जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरण प्रदूषण की है जिसमें वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है क्योंकि इससे सम्पूर्ण विश्व प्रभावित होगा।

किन्तु जिस देश में वन पारिस्थितिकी समृद्ध रूप में होगी उसे इसके ह्रास की अधिक चिंता होगी तथा वह जलवायु परिवर्तन प्रति अधिक प्रतिबद्ध होगा। जैसे बहुत से देश, तटीय देश जलवायु परिवर्तन प्रति ज्यादा सुभेद्य है इसलिए वो इससे ज्यादा चिंतित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

रहते है वहीं अल्प देशों में वन पारीस्थि० के अभाव के कारण उनमें तुलनात्मक रूप से कम जागरूकता देखी जा सकती है। इसी प्रकार वन पारीस्थितिकी से सम्पन्न भारत ने भी वैश्विक मंचों पर इसका समर्थन किया है तथा यूरोपीय देशों के बाद हरित अर्थव्यवस्था पहल की शुरुआत है तथा विदेश नीति के माध्यम से हरित प्रोद्योगिकी तक पहुँच सुनिश्चित करने का प्रयास करता है।

जलवायु - जलवायु किसी देश की भौगोलिक, सामाजिक, तथा सांस्कृति का निर्धारण करने के साथ-2 विदेश नीति में भी अपना महत्व स्थापित कर चुका है। जलवायु से ही हरित प्रोद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा मिलता है जैसे भारत एक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उष्णकटिबंधीय, तृतीय, सम देश है जिसके चलते पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा तथा ज्वारीय ऊर्जा की अपार सम्भावनाएं है जिनको प्राप्त करने के लिये हरित प्रोद्योगिकी के लिये विभिन्न कूटनीति का सहारा ले रहा है। इसी प्रकार यूरोप की जलवायु ठण्डी, आर्द्र है जिसके कारण वहाँ इलेक्ट्रिक बैट्री की जीवनकाल लम्बा होता है उष्णकटिबंधीय देशों में यह कम होता है। जिस कारण यूरोप में इले० वाहनों का प्रतिशत लगभग 50% है वहीं यह भारत में 1% है जिस कारण भारत जैसे विकासशील देश इले० वाहनों के निर्माण पर ज्यादा कूटनीतिक ध्यान नहीं देते है। इनकी विदेश नीति में इले० सम्वाहन आधारित समस्याओं की संख्या कम होती लेकिन नगण्य नहीं होती ex- भारत FAME के माध्यम से e-वाहन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

को बचाने पर ध्यान दे रहा है

सीमावर्ती देश - भौगोलिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण होता है सीमावर्ती देश से संबंध। क्योंकि

"विदेश राजनीति में पड़ोसी का कोई विकल्प नहीं होता है" इसलिए प्रत्येक देश अपनी विदेश नीति में पड़ोसी को अधिक महत्व देता है सीमा पर किसी विवाद का न होना किसी भी देश की आन्तरिक सुरक्षा, शांति तथा स्थायित्व का अनिवार्य तत्व होता है। अमेरिका तथा ब्रिटेन अपने समय के विश्व शक्ति के रूप में स्थापित हुए जिसका मूल कारण उन्हें यह था कि उनका किसी देश के साथ सीमा विवाद नहीं था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

सभी देश अपनी विदेश नीति में तथा वैश्विक मंचों पर पड़ोसी का सहयोग एवं समर्थन करते नजर आते है जैसें - UN में श्रीलंका के खिलाफ चल रहे मानवाधिकार मामले में इण्डिया ने मत न देने का निर्णय लेते हुए तटस्थ रहने का फैसला लिया था। तथा भारत भी "नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी" के माध्यम से अपनी विदेश में पड़ोसी को केन्द्रीय भूमिका में रखता है तथा इन देशों में विकासात्मक परियोजनाओं का संचालन करता है। वर्तमान समय में राजनीति विदेश नीति के केन्द्र में नहीं रही है बल्कि आर्थिक हितों ने विदेश नीति में केन्द्रीय भूमिका ले ली है। तथा आर्थिक हितों को साधने के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अपनी भौगोलिक संरचना के अनुकूल विदेश नीति पर जोर दिया जाता है। जिसे भू-राजनीति कहते हैं तथा व्यवहारिक स्तर पर इसको क्रियान्वित करने को भू-रणनीति कहते है। सभी देश भू-रणनीति को महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हुए भौगोलिक आवश्यकताओं के अनुरूप संबंध निर्माण पर बल दे रहे हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य

~~भूगोल~~ (सूचना)

उदा → USA - दल चुनाव

राहुल गांधी twitter

लोकतंत्र महत्व

- जनता → अनुशासन
- मताधिकार — (सूचना) "
- छवि — Negative
- प्रचार — प्याज, शापित
- दुष्प्रचार — Negative.
- सांख्य० तत्व छवी, आंकड़े.

चुनाव (सूचना)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रफ कार्य

(भूगोल)

हिटलर - USA

भू रणनीति · भू राजनीति
भू कूटनीति

(तत्व) → जनसंख्या
→ क्षेत्र
→ प्राकृतिक संसाधन

→ वन परिस्थिति
सीमावर्ती क्षेत्र

विदेशनीति → जनसंख्या → रोजगार
क्षेत्र - कृषि उपकरण

समुद्री → संयुक्त अभ्यास, पनडुब्बी, प्राकृतिक संसाधन
· वन परि० - सचेत जलवायु प्रति, संधि, SDG.
· सीमावर्ती Policy - पड़ोसी पहले, पूर्व देखो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation